ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने पुलिस की दो मुंही कार्यवाही

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल,18 जुलाई. राजधानी में ट्रैफिक पुलिस की सख्ती शहर में लगने वाले जाम को लेकर बढ़ती जा रही है. नेहरू नगर चौराहे से लेकर भोपाल स्टेशन तक ई रिक्शा चालकों के बेतरतीब तरीके से चौराहों पर सवारी भरने और वाहन खड़ा करने को लेकर चालान काटे जा रहे है.

कड़ी कार्यवाही के बाद भी रंगमहल चौराहे और भोपाल स्टेशन के दोनों तरफ गाड़ियां जमा रहती हैं और नियमों का उल्लंघन भी खुले आम किया जा रहा है. चालक साहिल दिलारे का कहना है कि नियमों का पालन करने के बाद भी कई बार ट्रैफिक पुलिस द्वारा चालकों को परेशान किया जाता है और हमसे वसूली की जाती है. दिन भर की कमाई से 500 रुपए का चालान देना हमारे लिए बड़ी समस्या है. कई बार हमसे 200 रुपए लिए जाते हैं और चालान पर्ची नहीं दी जाती है. चालक राजू का कहना है कि उनसे दो 200 और 150 का चालान लिया गया, लेकिन उसकी कोई पर्ची नहीं दी गई.

चालक राजू का कहना है कि कुछ ई रिक्शा चालकों की पहचान तो पुलिस वालों से अच्छी है तो उनका कोई चालान नहीं किया जाता. वो कहीं पर भी रिक्शा लगा कर सवारी बैठाते हैं. ट्रैफिक इंचार्ज सिसोदिया ने बताया कि सभी ई रिक्शा चालकों को सड़क पर चलने का मार्ग निर्धारित कर दिया गया है. फिर भी वह उसका पालन नहीं करते हैं. जिसकी वजह से चालकों पर चालानी कार्यवाही की जाती है. उन्होंने बताया नेहरू नगर चौराहे से लेकर भोपाल स्टेशन और नेहरू नगर से नीलबड़ तक सड़क मार्ग निर्धारित किया गया है. जिसमें रंगमहल और अन्य चौराहे से लगभग 50 मीटर की दूरी पर वाहन लगाने और सवारी लेने का नियम है और नियमों के उल्लंघन पर 500 रुपए का चालान काटा जाता है.

राजनीतिक सह से भी बन रहा काम

ई रिक्शा चालक साहिल ने बताया कि अगर आप की पहचान किसी बड़े व्यक्ति से है तो आपको चालान की इस प्रक्रिया से नहीं गुजरना पड़ेगा आप निश्चिंत होकर अपने वाहन को चला सकते हैं .

सड़क पर वाहनों की पार्किंग

जूनियर रिपोर्टर

भोपाल,18 जुलाई. शहर में पार्किंग कि समस्या एक आम समस्या बन गई है. बाजारों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में पार्किंग की कमी से यातायात जाम और हादसे होते है.

शहर का प्रमुख व्यावसायिक थड्डाराम कॉम्प्लेक्स, ज़ोन-1 एमपी नगर स्थित तिराहे पर पार्किंग की अव्यवस्था ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है. यहां होटल और दुकानों में आने वाले वाहनों की भीड़ के कारण सड़क पर गाड़ियों की लंबी कतारें लगी रहती हैं, जिससे दिनभर ट्रैफिक रेंगता रहता है. पार्किंग के लिए निर्धारित स्थान यहां से काफी दूर है. अगर यहां 10 मिनट का काम है, तो वो इतनी दूर गाडी क्यो पार्क करेगे. प्रशासन को इसके लिए भी कोई योजना बनानी चाहिए.

प्रदेश की सड़कें, पुल-ब्रिज भ्रष्टाचार की चढ़े भेंट

नाम बदलकर बांग्लादेशी रह रहे और सरकार सो रही

भोपाल, 18 जुलाई. मध्य प्रदेश में खस्ताहाल सड़कों और ब्रिजों को लेकर कांग्रेस ने राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला है. पूर्व मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पीसी शर्मा ने कहा कि स्वच्छता अवार्ड जीतने वाले शहरों से ही टूटी-फूटी सड़कों की तस्वीरें आ रही हैं.

- **शहरों से ही टूटी-फूटी सड़कों की तस्वीरें आ रही हैं**
- **बांग्लादेशी नागरिक को इंटेलिजेंस फेल्योर करार दिया**

वाशिंगटन से बेहतर सड़क बताने वाली बीजेपी, अब प्रदेश की हालत खुद देखे. शर्मा ने कहा कि प्रदेश की सड़कें, पुल और ब्रिज भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ चुके हैं. निर्माण एजेंसियां और सरकार सिर्फ कमाई में लगी हैं. सर्वे के नाम पर खानापूर्ति होती है, और महापुरुषों के नाम पर रखी गई परियोजनाओं में भ्रष्टाचार कर उन्हें अपमानित किया जा रहा है.

पूर्व मंत्री ने भोपाल में नाम बदलकर रह रहे बांग्लादेशी नागरिक को इंटेलिजेंस फेल्योर करार दिया. उन्होंने कहा कि अगर सालों तक कोई बांग्लादेशी यहां रह गया और सरकार को भनक तक नहीं लगी, तो यह साफ दर्शाता है कि प्रदेश की खुफिया और कानून-व्यवस्था पूरी तरह फेल है. हरदा हादसे को लेकर उन्होंने कहा कि यह पूरी तरह से सरकार की विफलता और लापरवाही का नतीजा है. उल्टा सरकार कांग्रेस नेताओं पर एफआईआर कर रही है . यह सियासी प्रतिशोध है. अगर दिग्विजय सिंह और जयवर्धन सिंह भी वहां मौजूद थे तो उन्हें भी गिरफ्तार करें.

> मुख्यमंत्री के विदेश दौरों पर तंज कसते हुए शर्मा ने कहा,सरकार एमओयू की बातें तो करती है, लेकिन असल निवेश और रोजगार की जानकारी छिपाई जाती है. स्पेन जाएं या दुबई, जनता को बस यह जानना है कि रोजगार मिला या नहीं. यह बयान प्रदेश की राजनीति में एक बार फिर सड़क, सुरक्षा और जवाबदेही जैसे अहम मुद्दों को केंद्र में ला रहा है.

ऑपरेशन अमानत के तहत रेलवे लौटा रहा खोया सामान

भोपाल. पश्चिम मध्य रेलवे भोपाल मंडल में यात्रियों की सुरक्षा और उनकी सम्पत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए रेल सुरक्षा बल द्वारा ऑपरेशन अमानत अभियान के अंतर्गत लगातार सराहनीय कार्य किये जा रहे हैं शुक्रवार को इसी कड़ी में भोपाल आरपीएफ पोस्ट द्वारा एक और ईमानदारी एवं तत्परता का उदाहरण प्रस्तुत किया गया.17 जुलाई को ड्यूटी पर तैनात आरक्षक बीबी प्रजापति को ट्रेन संख्या 1285 के एक कोच में सीट पर सफाईकर्मी के माध्यम से एक लैपटॉप बैग मिला. तत्परता दिखाते हुए बैग को तत्काल आरपीएफ पोस्ट भोपाल में जमा किया. कुछ समय बाद ही यात्री द्वारा आरपीएफ पोस्ट पर बैग के लापता होने की जानकारी दी गई जिसके बाद जांच एवं सत्यापन के साथ याति को उनका बैग सौप दिया गया.यात्री ने रेलवे प्रशासन तथा आरपीएफ टीम का धन्यवाद करते हुए उनकी ईमानदारी और कार्य की सराहना की. वरिष्ठ मंडल वाणि 'य प्रबंधक श्री सौरभ कटारिया ने बताया कि ऑपरेशन अमानत के अंतर्गत रेल यात्रियों की खोई हुई वस्तुओं को सुरक्षित रूप से उन्हें लौटाया जा रहा है.

फुटपाथ पर कचरा और गाड़ियों का अड्डा

दुकानदारों व्यवसाय हो रहा प्रभावित

जूनियर रिपोर्टर

भोपाल, 18 जुलाई. मध्यप्रदेश की राजधानी, जो झीलों और हरियाली के लिए जानी जाती है, इन दिनों स्वच्छता को लेकर सवालों के घेरे में है. शहर के एमपी नगर स्थित डीबी मॉल परिसर के बाहर अव्यवस्थित पार्किंग और गंदगी ने फुटपथ मे दुकान लगते दुकानदारो की परेशानियां बढ़ा दी हैं.

मॉल के बाहर फुटपाथ पर जगह-जगह वाहनों की अवैध पार्किंग है साथ ही कचरे का ढेर और गंदगी हमेशा फैली रहती है. इससे न केवल दुकानदारो को परसानी होती है, बल्कि जो ग्राहक दुकान पर आते है वो भी बदबू और गंदगी के कारण अपना रास्ता बदल लेते है. स्थानीय दुकानदारो ने बताया की नगर निगम और मॉल प्रबंधन इस समस्या पर ध्यान नही देते, बारिश के मौसम में गंदगी और कीचड़ की वजह से बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है. यहा ज्यादतर खाने की दुकाने है लोगो के बैठने की व्यवस्था भी की है पर लोग गंदगी के कारण आने से कतराते है जिससे उन्हे नुक्सान हो रहा है.

> स्थानीय दुकानदार पवन बघेल ने बताया कि वो दस साल से अपनी दुकान इसी फुटपत्र पर लगा रहे है अव्यवस्थित पार्किंग की गाड़िया डीबी मॉल के कर्मचारियो की है और गंदगी का ढेर मेट्रो और फ्लाइओवर बनने के बाद और बड़ गया है वो अपने ठेले को बहुत स्वछ रखते है पर आस पास की गंदगी से लोग उनके ठेले में आने से बचते है . डीबी मॉल एक ऐसा पर्यटन स्थल है जहा लोग दूर दूर से आते है, मॉल के सामने ऐसी लापरवाही और गंदगी शर्मनाक है . दुकानदारो नगर निगम और मॉल प्रबंधन से जल्द से जल्द कार्रवाई की मांग की है, ताकि राजधानी भोपाल की छवि पर दाग न लगे और लोगों को राहत मिल सके .

10 फीट गहरे गड्ढे को थेगड़ा लगाकर ढका

फुटपाथ पर हुए गड्ढों की ओर ध्यान नहीं

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल,18 जुलाई. गुरूवार सुबह 'ज्योति टाकीज के सामने हुए लगभग 10 फीट गड्ढे को दिन भर में भर दिया गया है जिसके बाद लोगों ने राहत की साँस ली.

पीडब्लूडी ने बताया कि गड्ढे को अस्थाई तौर पर भर कर मरम्मत कर दी गई है और बरसात के बाद इसे स्थाई तौर से ठीक किया जायेगा. फिलहाल चारों तरफ बैरिकेडिंग की गई है. स्थानीय दुकानदार गुड्डू का कहना है इस गड्ढे को तो भर दिया पर जो पैदल मार्ग पर छोटे छोटे गड्ढे हो रखे हैं इसकी मरम्मत का पीडब्लूडी को कोई ख्याल नहीं है.आखिर कब तक लोक निर्माण विभाग बड़ी दुर्घटना का इन्तजार करता रहेगा और फुटपाथ पर हो रहे गड्ढों की मरम्मत करवाएगा.

> कांग्रेस ने इस मामले को राजनीतिक मुद्दा बनाते हुए सरकार को घेरने की कोशिश की है . प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने इससे जुड़े फोटो और वीडियो वायरल करते हुए कहा कि भोपाल में पीडब्ल्यूडी ने फिर गौरव-पथ से रूबरू करवा दिया है .

किन्नर के भेष में पकड़ाया बांग्लादेशी युवक

भोपाल. तलैया इलाके में पुलिस ने एक बांग्लादेशी युवक को किन्नर के भेष में अवैध रूप से रह रहे पाए जाने पर गिरफ्तार किया है. आरोपी की पहचान अब्दुल के रूप में हुई है, जो नेहा नाम से रह रहा था. उसने फर्जी दस्तावेज भी बनवा लिए थे. पहले महाराष्ट्र में रहने के बाद वह भोपाल में आकर बसा था. खुफिया एजेंसियों को इनपुट मिलने के बाद तलैया पुलिस ने उसे दबोच लिया. वह बीते एक हफ्ते से पुलिस हिरासत में है. अब केंद्रीय एजेंसियां भी मामले की जांच में जुट गई हैं. कांग्रेस ने इसे लेकर बीजेपी सरकार और सुरक्षा एजेंसियों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं.

नालियों का गंदा पानी सड़कों पर भरा

भोपाल. देवकी नगर इलाके में भारी बारिश के बाद हालात बिगड़ गए हैं. सड़कों पर घुटनों तक पानी भरा हुआ है जिससे आमजन को आवाजाही में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है . बारिश का पानी नालियों से निकलकर सड़कों पर भर गया है, जिससे वाहन चालकों और पैदल यात्रियों दोनों के लिए मुश्किलें खड़ी हो गई हैं .

जिला अस्पताल में पर्चा बनवाने आभा आईडी जरूरी, मरीज परेशान

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल. जय प्रकाश जिला प्रशासनिक अस्पताल में पिछले कुछ दिन पहले ही ओपीडी पर्चा बनवाने के लिए आभा आईडी अनिवार्य कर दी गई है जिसकी कोई विस्तृत जानकारी नहीं की गई और न ही मरीजों को पहले से इसके बारे में कुछ बताया गया.

अचानक हुए इस बदलाव के कारण दूर दराज से आये हुए बुजुर्ग, महिला समेत सभी को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. कोई आधार कार्ड नहीं लाया, कोई आधार में जुड़ा नंबर नहीं उपलब्ध करा पाया तो कोई डिजिटल समीकरण नहीं समझ पा रहा जिसकी वजह से पर्चा बनवाने के लिए घंटों लाइन में खड़े रहना पड़ रहा या फिर घर जाकर आधार और मोबाईल लाना पड़ रहा और लम्बे इन्तजार के बाद जब पर्चा बनता है तो डॉक्टरों द्वारा जांच के लिए पर्चे पर सील न लगाने की लापरवाही मरीजों को परेशान कर रही है.शुक्रवार सुबह बेटी का इलाज कराने ने आई विनीता ने बताया कि सुबह सबसे पहले उन्हें पर्चा बनावने के लिए लम्बे समय तक खड़े रहना पड़ा उसके बाद डॉक्टट को दिखाया तो पर सील नहीं लगाई गई जिसके बाद जांच करवाने में देरी हुई और वापिस एक जगह से दूसरी जगह पर्चे पर सील लगवाने के लिए दौड़ाते रहे.

लापरवाही ▶ जनता पर स्वच्छता का बोझ

शौचालय के लिए अब 10 रुपए

भोपाल, 18 जुलाई. भोपाल में अब सार्वजनिक शौचालय इस्तेमाल करना महंगा हो गया है. भोपाल नगर निगम ने सुलभ शौचालयों का शुल्क 6 रुपये से बढ़ाकर 10 रुपये कर दिया है.

यही शुल्क अब नहाने के लिए भी देना होगा, जिससे आम जनता खासकर गरीब वर्ग में नाराजगी है. नगर निगम के इस फैसले से शहर की 24 लाख से अधिक आबादी प्रभावित हो रही है. पहले से ही सार्वजनिक शौचालयों की संख्या आवश्यकता से 43 प्रतिशत कम है, ऐसे में शुल्क वृद्धि से लोगों की मुश्किलें और बढ़ गई हैं.

जहां 5 रुपये में गरीबों को भोजन मिल रहा है, वहीं अब टॉयलेट का उपयोग 10 रुपये में करना पड़ रहा है. जनता सवाल उठा रही है — पेट भरने से सस्ता पेट खाली करना क्यों ?

यह निर्णय मेयर इन काउंसिल की बैठक में लिया गया, जिसकी अध्यक्षता महापौर मालती राय ने की. बताया गया कि यह कदम शहरी निकायों की आय बढ़ाने के लिए उठाया गया है, जो शहरी प्रशासन एवं विकास विभाग के निर्देश पर आधारित है.

वहीं कांग्रेस ने इस फैसले को गरीबों के साथ अन्याय बताया है. पार्टी ने आरोप लगाया कि सरकार स्वच्छता के नाम पर सिर्फ प्रचार कर रही है, जबकि जमीनी सुविधाएं महंगी और अपर्याप्त होती जा रही हैं.

स्वदेशी रेल इंजन तैयार भोपाल में होगा ट्रायल

भोपाल. देश का सबसे ताकतवर स्वदेशी इलेक्ट्रिक रेल इंजन बनकर तैयार हो गया है. 9000 हॉर्सपावर की क्षमता वाला यह बाहुबली इंजन दाहोद में तैयार किया गया है और जल्द भोपाल में ट्रायल शुरू होगा. यह इंजन अकेले 130 डिब्बों वाली मालगाड़ी को खींचने में सक्षम है. इसे यात्री ट्रेनों में भी शामिल किया जा सकता है. यह इंजन 26 से 28 कोच वाली लंबी दूरी की ट्रेनों जैसे गोवा, तमिलनाडु, सचखंड आदि को भी खींच सकता है. पश्चिम मध्य रेलवे के भोपाल, जबलपुर और कोटा रेल मंडल में इसका 15 दिन तक ट्रायल चलेगा. दुनिया में केवल भारत, रूस, चीन, फ्रांस, जर्मनी और स्वीडन ही इतने पावरफुल इंजन बनाते हैं.